

Title: देगः दयेके विधि / degah dayake vidhi

Run. No. 6849

Cat. No. 65

Micro. No.

Subject ^{देगः दयेके विधि} Architecture (Temple construction) Religion: Hindu / Bauddha

Language: Skt. / New. / Nep. / Skt.-New. / Maith.-New. / New.-Nep. /

Size in cms. 19.7 x 7.5

Folios 8

Lines (in a page) 6

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Script: New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus.:

Material: palmleaf / paper / thyaasaphu /

Condition: fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon: दयवलय जुक्क धूति ॥

Dyavalayā jukva thūti ॥

फणीन्द्र रत्न वज्राचार्य

Phanindra Ratna

दिप्पाली: शुक्र नक्सा नै ५

Map Diagram

red in this

जुक्क धूति ॥

बिं माभिं व
वर्णन दु।

देगः दयेके विधि (पत्रिका) ॥ ५९८५॥ अमरगिरि

नमो भगवते
स्वामी

६५. देगः दयकेगु

प्रशास्त्ररत्न वज्राचार्य

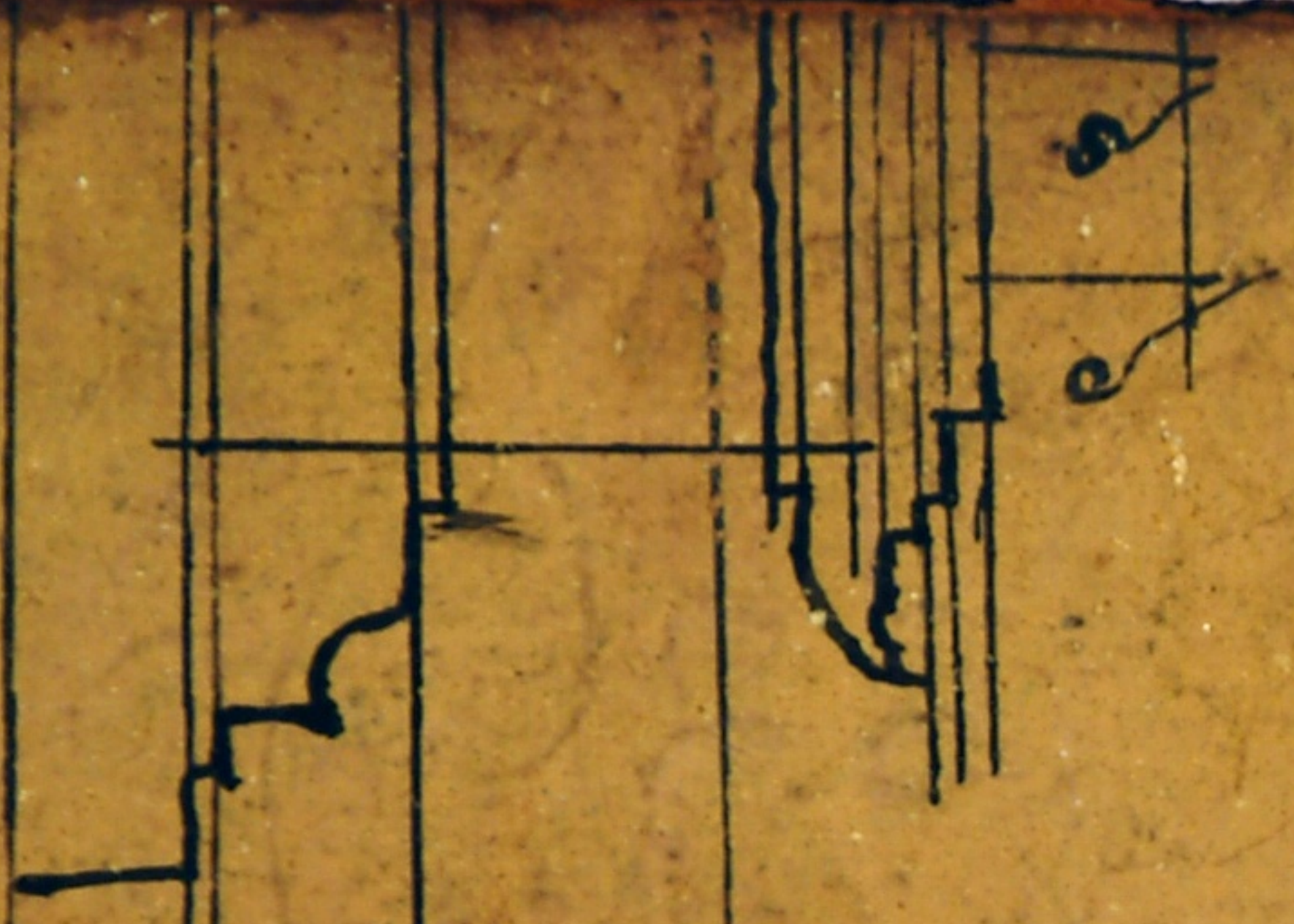
यत्रिवात
हास्यकवाह
भन ॥



मग्नमान

छन

धानविभेमानपदा
अननिकोमान



सल्लुकि नि. ३७ का ०३

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
अथ ॥ चतुर्थांशिकाया
निकायः प्रकृत्यावदिद्वि
विंशकायकः । यथामिति
यदीति याउ, युद्धादौ

वासुदेव न कथा लिट्टि काका
 यो कति काठु युथमवायाभ
 नसमावे द्विगियाह काठुन
 यने गइयनि नली
 यवउध कथा
 लिट्टिका

२३५५

15

10

5

का.का.०७ का.का.०८		यौ.श्रव.कं.० का.यान.का.न.० वि.ग.व.य.स.स
द्व.००.वि.स.व.॥ का.००.०० का.००.००		का.००.०० क.००.००.००.०० म.००.००.००.००.०० न.००.००.००.००.०० र.००.००.००.००.००

१ नदसु गुमनगन आदियं कुर्यात् । लक्ष्मिनिनूययाय ॥ कदाचिदय
सकमरुव मिलिद दाका । नानामिन लं कटं दसाद । धुंमलिंद ॥ क
दाचिनायि ॥ धुंमसुगमादि कू कालं । मृत्तु रयु । धन नाग । जन नाग । अ
बावतथ कायाव आयु ॥ ॥ कदाचिमीयि ॥ ग्वलं किनी उमिस । धलिद
विनीव नंगमिंदयु ॥ याविनी धलीस ॥ गुमादि कू कालं ॥ यूर धन नाग रयु ॥
धुंमलिंद ॥ ॥ ग्वनिच्छि नी उम ॥ मृत्ति कानेस । अठ वमिंद न दाव
धुंमलिंद ॥ धुंमसुगमादि कू कालं । जीद ग वानी रयु । मलिंद ॥ ॥

॥ गलं किनी उम ॥ यला क जिंदयु ॥ धुंमसुगमादि कू कालं जन व
न विनाग रयु ॥ ग्वलं किनी उम । नीला न को नम । यलाय मिंद न दाव
धुंमसुगमादि कू नसा । लय दयु । चीनया लय न कायु ॥ ग्वनिच्छि नी
उमसुगमादि कू यु ॥ यश्चिमदि गग । वठ मिंद काय । धुंमसुगमादि
कू कालं । धुंमलिंद ॥ ॥ ग्वलं किनी उम ॥ वायव्य कानेस । मिंस
न मिंद न दाव । धुंमसुगमादि कू कालं ॥ जीद ग वानी रयु । लिदा वन का



विहान या जीठ या डाडाव, गाया ल्या ख, उ उ मान या जीठुल, थ य जीठुल या
दगन चिडा य के ॥ निय पि जीठु न न, क चि ल्या ख ॥ ॥ अ न या ल क न,
ध, दा वा, या स्व वा, या या स्व वा स चि वा न डा डा य के ॥ वा, स्व पा य य जी ग्व न ॥
मून या या, या वा स चि वा न व, डि वा स चि वा न व, गु वा स चि वा न व, दू वा न
या वा द क न, गु य न मा गा, दगन चि ध ॥ मा गा रू मा गा ख सि वा दा दा न दू, रि
दू, स द्या या स दू २४, सु दिन दू ३, अ स दू २४, था ना न दू ५, या स दू ४, दा दू य
नि दू १, य क न दू २१ न दा दू २ ॥ ॥

१ दू वा न या क स वा थ या व, स्व वा या दू वा ड नि, स्व मा गा ल्या न द क न वा
दू, ड य वा दू, स्व मा गा न, स म वि स म, आ मा गा न व, क स मा गा न व, च की नि
न मा गा दा कू वा, य दू वा, का दा न, स्व मा गा वू न का दा न ॥ ॥ निय आ
मा गा को न म न या व, धू वा ड नि, दा मा गा न व, धू मा गा न व, वा दू, न मा
दा ड य वा दू, य मा गा ल्या, स म वि स म, न मा गा, दा कू, का दा न, क मा गा य दू
स्व मा गा का दा न, थ न को न मून या, या व ॥ ॥ मा न द क न थ वा स चि
वा, दू वा न, दू वा न या वा द क न व चि या न, या धू य धि, स दा न या न ॥ ॥

१ इगुयासी वासकिवाडाह

क

जि

इगलयासी
वा नकाहु

३
१५

१ इगुयाख
वा कीवाडा
ह ॥

१ इगुयाव र
कि कहु

जि

१ गिरवाग म्रिगि वी ठया लकडा ॥